बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ का आंकड़ा हुआ 5 लाख 46 हजार पार

दैनिक भास्कर

राम नाम की महिमा अपरंपार है : सीकरी

गुरुग्राम (भास्कर न्यूज)। बोधराज सीकरी की मुहिम हनुमान चालीसा पाठ के तहत कल 30 जनवरी, मंगलवार को जैकबपुरा (समीप जैन हैण्डलूम) में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें 11बार हनुमान चालीसा का पाठ गजेंद्र गोसाईं जी ने व्यास पीठ से संगीतमय ढंग से किया व आखिरी पाठ में उन्होंने पूर्व में किये गए पाठों की भाँति ₹मेरी लगी राम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने₹ के कीर्तन के साथ किया तो सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने खड़े होकर खूब नृत्य किया। इससे पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ। जिसमें कुल 80 साधक शामिल रहे। बता दें कि श्री कृष्ण कुमार बुद्धिराजा की बेटी की शादी के उपलक्ष्य में जैकबपुरा में इस पाठ का आयोजन किया गया था, जिसमें बोधराज सीकरी ने राम तत्व की महिमा पर सविस्तार चर्चा की।

PIC•COLLA

पंजाब केसरी
— www.PunjabKesari.com —

राम नाम की महिमा है अपरंपार : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, एमके अरोड़ा (पंजाब केसरी) : पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा शुरु की गई मुहिम के तहत मंगलवार को जैकबपुरा में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें गजेंद्र गोसाईं ने11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। उन्होंने मेरी लगी राम संग प्रीत यह दुनिया क्या जाने का गीत शुरु किया था वहां उपस्थित श्रद्धालु भजन पर झूम उठे। इससे पूर्व सुंदर कांड पाठ भी आयोजित किया गया, जिसमें करीब 80 साधक शामिल हुए। अध्यक्ष बोधराज सीकरी ने बताया कि समाजसेवी कृष्ण कुमार बुद्धिराजा की पुत्री के वि वाह के उपलक्ष्य में यह आयोजन किया गया। बोधराज सीकरी ने रामत्व का महत्व बताया कि माता सीता ने मां गौरी का पूजन कर श्री राम के रूप में अपना वर मांगा था। माता सीता ने जब माँ गौरा की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ कि सुनु सिय सत्य असीस हमारी।पूजहि मनोकामना तुम्हारी।। वहीं आराध्य श्री राम चन्द्र जी भी भाई लक्ष्मण के साथ मुनि विश्वामित्र की आज्ञा से पूजा के लिए फूल लेने गए हुये थे वहीं उनका जानकी जी से साक्षात्कार हुआ। पुष्प वाटिका में जब सीताजी ने श्रीराम को देखा तो उन्हें बार-बार देखते हुए उनका मन अधीर होने लगा और प्रेम बढऩे लगा। और जब फूल लेकर प्रभु श्री राम मुनि विश्वामित्र के पास पहुँचे तो उन्होंने आशीर्वाद उन्हें अशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि यही जन्म भूमि है, यही कर्म भूमि है और यही भूमि मेरे लिए सब कुछ है। कार्यक्रम में बीडी पाहूजा, सतपाल नासा, किशोरी लाल डुडेजा, युधिष्ठिर अलमादी, राजेन्द्र बजाज, सुखदेव, दर्शन बजाज, महिला प्रकोष्ठ से सुरेश सीकरी, शील सीकरी,ज्योत्सना बजाज, पुष्पा नासा मौजूद रही।

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

हनुमान चालीसा पाठ का आंकड़ा पांच लाख 46 हजार के पार

जैकबपुरा में हनुमान चालीस पाठ में भाग लेते बोधराज सीकरी व अन्य श्रद्धालु।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

समाजसेवी बोधराज सीकरी की ओर से किया जा रहा आयोजन

समाजसेवी बोधराज सीकरी की मुहिम हनुमान चालीसा पाठ के तहत जैकबपुरा में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें 80 साधकों को 11-11 बार हनुमान चालीसा का पाठ गजेंद्र गोसाईं ने व्यास पीठ से संगीतमय ढंग से किया। आखिरी पाठ में उन्होंने पूर्व में किये गए पाठों की भांति मेरी लगी राम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने के कीर्तन के साथ किया। इससे पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ। जूम के माध्यम से लगभग 15 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 200 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 541,411 पाठ 39,096 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 207 स्थानों पर 39,486 साधकों द्वारा 546,161 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। श्रीकृष्ण कुमार बुद्धिराजा की बेटी की शादी के उपलक्ष्य में जैकबपुरा में इस पाठ का आयोजन किया गया था।

इस दौरान बोधराज सीकरी ने राम तत्व की महिमा पर सविस्तार चर्चा की। उन्होंने कहा कि कहा कि देवी सीता ने मां गौरी का पूजन करके अपना श्री राम के रूप में मनचाहा वर पाया था। मां जानकी जी ने जब माँ गौरा की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ कि सुनु सिय सत्य असीस हमारी। पूजहि मनोकामना तुम्हारी।। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ने के लिए अलमादी, राजेंद्र बजाज, सुखदेव, दर्शन बजाज, महिला प्रकोष्ठ से सुरेश सीकरी, शील सीकरी, ज्योत्सना बजाज, पुष्पा आदि उपस्थित रहे।

www.gurgaontoday.in

गुड़गांव टुडे

11, अंक 337, पृष्ठ 08, गुरुवार | गुरुवार, 07 दिसंबर 2023 | facebook: https://www.facebook.com/GurgaonToday/ मूल्

राम नाम की महिमा अपरंपार है : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम सतत गतिशील, पार हुआ 5 लाख 46 हजार का आंकड़ा।

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

बोधराज सीकरी की मुहिम हनुमान चालीसा पाठ के तहत कल 30 जनवरी, मंगलवार को जैकबपुरा (समीप जैन हैण्डलूम) में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ श्री गजेंद्र गोसाईं जी ने व्यास पीठ से संगीतमय ढंग से किया व आखिरी पाठ में उन्होंने पूर्व में किये गए पाठों की भाँति 'मेरी लगी राम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने' के कीर्तन के साथ किया तो सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने खड़े होकर खूब नृत्य किया। इससे पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ। जिसमें कुल 80 साधक शामिल रहे।

बता दें कि श्री कृष्ण कुमार बुद्धिराजा की बेटी की शादी के उपलक्ष्य में जैकबपुरा में इस पाठ का आयोजन किया गया था, जिसमें बोधराज सीकरी ने राम तत्व की महिमा पर सविस्तार चर्चा की। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि देवी सीता ने मां गौरी का पूजन करके अपना श्री राम के रूप में मनचाहा वर पाया था। माँ जानकी जी ने जब माँ गौरा की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ कि

'सुनु सिय सत्य असीस हमारी।
पूजहि मनोकामना तुम्हारी।।

वहीं आराध्य श्री राम चन्द्र जी भी भाई लक्ष्मण के साथ मुनि विश्वामित्र की आज्ञा से पूजा के लिए फूल लेने गये हुये थे वहीं उनका जानकी जी से साक्षात्कार हुआ। पुष्प वाटिका में जब सीताजी ने श्रीराम को देखा तो उन्हें बार-बार देखते हुए उनका मन अधीर होने लगा और प्रेम बढ़ने लगा। और जब फूल लेकर प्रभु श्री राम मुनि

विश्वामित्र के पास पहुँचे तो उन्होंने आशीर्वाद दिया कि

'सुफल मनोरथ होहि तुम्हारे।
राम लखन सुनु भये सुखारे।।

प्रभु श्रीराम और माँ सीता की आत्मीय भेंट का यह व्याख्यान बेहद ही सुंदर और मनोहारी तरीके से श्री बोधराज सीकरी ने सुनाया।

श्री बोधराज सीकरी जी ने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ने के लिए गुरुग्राम वासियों का अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यही जन्म भूमि है, यही कर्म भूमि है और यही भूमि मेरे लिए सब कुछ है।

पाठ में बी.डी. पाहुजा, सतपाल नासा, किशोरी लाल डुडेजा, युधिष्ठिर अलमादी, श्री राजेन्द्र बजाज, सुखदेव, दर्शन बजाज, महिला प्रकोष्ठ से सुरेश सीकरी, शील सीकरी, ज्योत्सना बजाज, पुष्पा नासा उपस्थित रहे।

कल जैकबपुरा में 80 लोगों ने 11-11 बार पाठ किया। गत शुक्रवार को श्री गोपीनाथ मंदिर, अर्जुन नगर में 90 लोगों ने 21-21बार पाठ किया।

गत शनिवार सेक्टर 70, विला 11, ट्यूलिप आइवरी में 60 लोगों ने पहले 11 बार सुंदरकांड पाठ फिर 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया।

इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया। इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया।

विजय टन्डन और रणधीर टन्डन की फैक्टरी वी.के.रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया।

इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका ज्योत्सना बजाज ने मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है। उसके अतिरिक्त जूम के माध्यम से लगभग 15 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 200 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 541,411 पाठ 39,096 साधकों ने किए थे।

इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 207 स्थानों पर 39,48 6 साधकों द्वारा 546,161 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

आज समाज
www.aajsamaaj.com

हनुमान चालीसा पाठ का आंकड़ा हुआ 5 लाख 46 हजार के पार

- समाजसेवी बोधराज सीकरी की ओर से किया जा रहा आयोजन

आज समाज नेटवर्क

गुरुग्राम। समाजसेवी बोधराज सीकरी की मुहिम हनुमान चालीसा पाठ के तहत जैकबपुरा में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें 80 साधकों को 11-11 बार हनुमान चालीसा का पाठ नरेंद्र गोस्वामी ने व्यास पीठ से संगीतमय ढंग से किया। आखिरी पाठ में उन्होंने पूर्व में किये गए पाठों की भांति मेरी लगी राम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने के कीर्तन के साथ किया। इससे पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ।

जूम के माध्यम से लगभग 15 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 200 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 541,411 पाठ 39,096 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 207 स्थानों पर 39,486 साधकों द्वारा 546,161 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। श्रीकृष्ण कुमार खुंड्डाराम की बेटी की शादी के उपलक्ष्य में जैकबपुरा में इस पाठ का आयोजन किया गया था। इस दौरान बोधराज सीकरी ने राम नाम की महिमा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि कहा कि देवी सीता ने मां गौरी का पूजन करके अपना श्री राम के रूप में मनचाहा वर पाया था। मां जानकी जी ने जब मां गौरा की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ कि सुनु सिय सत्य असीस हमारी। पूजिहि मनोकामना तुम्हारी।। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ने के लिए गुरुग्राम वासियों का अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यही जन्म भूमि है, यही कर्म भूमि है और यही भूमि मेरे लिए सब कुछ है। पाठ में बीडी थापर, सतपाल नाग, किशोरी लाल दुदेजा, सुनीता अलगमटे, राजेंद्र बजाज, सुखदेव, प्रवीण बजाज, महिला प्रकोष्ठ से सुनीता सीकरी, शील सीकरी, ज्योत्सना बजाज, पुष्पा आदि उपस्थित रहे।

देव केसरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम सतत गतिशील, पार हुआ 5 लाख 46 हजार का आंकड़ा

देव केसरी / अरविन्द चन्दन

गुरुग्राम। बोधराज सीकरी की मुहिम हनुमान चालीसा पाठ के तहत कल 30 जनवरी, मंगलवार को जैकबपुरा (समीप जैन हैण्डलूम) में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें 11बार हनुमान चालीसा का पाठ श्री गजेंद्र गोसाई जी ने व्यास पीठ से संगीतमय ढंग से किया व आखिरी पाठ में उन्होंने पूर्व में किये गए पाठों की भाँति ÷मेरी लगी राम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने÷ के कीर्तन के साथ किया तो सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने खड़े होकर खूब नृत्य किया। इससे पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ। जिसमें कुल 80 साधक शामिल रहे। बता दें कि श्री कृष्ण कुमार बुद्धिराजा की बेटी की शादी के उपलक्ष्य में जैकबपुरा में इस पाठ का आयोजन किया गया था, जिसमें बोधराज सीकरी ने राम तत्व की महिमा पर सविस्तार चर्चा की। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि देवी सीता ने मां गौरी का पूजन करके अपना श्री राम के रूप में मनचाहा वर पाया था। माँ जानकी जी ने जब माँ गौरा की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ कि

सुनु सिय सत्य असीस हमारी।
पूजहि मनोकामना तुम्हारी।।

वहीं आराध्य श्री राम चन्द जी भी भाई लक्ष्मण के साथ मुनि विश्वामित्र की आज्ञा से पूजा के लिए फूल लेने गये हुये थे वहीं उनका जानकी जी से साक्षात्कार हुआ। पुष्प वाटिका में जब सीताजी ने श्रीराम को देखा तो उन्हें बार-बार देखते हुए उनका मन अधीर होने लगा और प्रेम बढ़ने लगा। और जब फूल लेकर प्रभु श्री राम मुनि विश्वामित्र के पास पहुँचे तो उन्होंने आशीर्वाद दिया कि

सुफल मनोरथ होहि तुम्हारे।
राम लखन सुनु भये सुखारे।।

प्रभु श्रीराम और माँ सीता की आत्मीय भेंट का यह व्याख्यान बेहद ही सुंदर और मनोहारी तरीके से श्री बोधराज सीकरी ने सुनाया।

श्री बोधराज सीकरी जी ने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ने के लिए गुरुग्राम वसियों का अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यही जन्म भूमि है, यही कर्म भूमि है और यही भूमि मेरे लिए सब कुछ है।

पाठ में बी.डी.पाहुजा, सतपाल नासा, किशोरी लाल डुडेजा, युधिष्ठिर अलमादी, राजेन्द्र बजाज, सुखदेव, दर्शन बजाज, महिला प्रकोष्ठ से श्रीमती सुरेश सीकरी, श्रीमती शील सीकरी, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा उपस्थित रहे।

कल जैकबपुरा में 80 लोगों ने 11-11 बार पाठ किया।

गत शुक्रवार को श्री गोपीनाथ मंदिर, अर्जुन नगर में 90 लोगों ने 21-21बार पाठ किया।

गत शनिवार सेक्टर 70, विला 11, ट्यूलिप आइवरी में 60 लोगों ने पहले 11 बार सुंदरकांड पाठ फिर 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया।

इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया।

इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया।

श्री विजय टन्डन और श्री रणधीर टन्डन की फैक्टरी वी.के.रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका श्रीमती ज्योत्सना बजाज ने मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है। उसके अतिरिक्त जूम के माध्यम से लगभग 15 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 200 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 541,411 पाठ 39,096 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 207 स्थानों पर 39,486 साधकों द्वारा 546,161 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

हनुमान चालीसा पाठ करने का 5.46 लाख का आंकड़ा पार

■ राम नाम की महिमा अपरंपार है : सीकरी

गुड़गांव, 1 फरवरी (ब्यूरो): बोधराज सीकरी की मुहिम हनुमान चालीसा पाठ के तहत कल 30 जनवरी, मंगलवार को जैकबपुरा (समीप जैन हैण्डलूम) में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ गजेंद्र गोसाईं ने व्यास पीठ से संगीतमय ढंग से किया व आखिरी पाठ में उन्होंने पूर्व में किये गए पाठों की भाँति "मेरी लगी राम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने" के कीर्तन के साथ किया तो सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने खड़े होकर खूब नृत्य किया।

हनुमान चालीसा कार्यक्रम को संबोधित करते बोधराज सीकरी।

इससे पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ। जिसमें कुल 80 साधक शामिल रहे। कृष्ण कुमार बुद्धिराजा की बेटी की शादी के उपलक्ष्य में जैकबपुरा में इस पाठ का आयोजन किया गया था, जिसमें बोधराज सीकरी ने राम तत्व की महिमा पर सविस्तार चर्चा की। बताया कि जैकबपुरा में 80 लोगों ने 11-11 बार पाठ किया।

श्री गोपीनाथ मंदिर, अर्जुन नगर में 90 लोगों ने 21-21बार पाठ किया। सेक्टर 70, विला 11, ट्यूलिप आइवरी में 60 लोगों ने पहले 11 बार सुंदरकांड पाठ फिर 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया। मंगलवार के पाठ को मिलाकर 207 स्थानों पर 39,486 साधकों द्वारा 546,161 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

दैनिक मेवात

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम सतत गतिशील, पार हुआ 5 लाख 46 हजार का आंकड़ा

राम नाम की महिमा अपरंपार है : बोधराज सीकरी

– दैनिक मेवात संवाददाता

गुरुग्राम। बोधराज सीकरी की मुहिम हनुमान चालीसा पाठ के तहत कल 30 जनवरी, मंगलवार को जैकबपुरा (समीप जैन हैण्डलूम) में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें 11बार हनुमान चालीसा का पाठ श्री गजेंद्र गोसाईं जी ने व्यास पीठ से संगीतमय ढंग से किया व अंतिम पाठ में उन्होंने पूर्व में किये गए पाठों की भाँति मेरी लगी राम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने के कीर्तन के साथ किया तो सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने खड़े होकर खूब नृत्य किया। इससे पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ। जिसमें कुल 8 साधक शामिल रहे। बता दें कि श्री कृष्ण कुमार बुद्धिराजा की बेटी की शादी के उपलक्ष्य में जैकबपुरा में इस पाठ का आयोजन किया गया था, जिसमें बोधराज सीकरी ने राम तत्व की

महिमा पर सविस्तार चर्चा की। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि देवी सीता ने मां गौरी का पूजन करके अपना श्री राम के रूप में मनचाहा वर पाया था। माँ जानकी जी ने जब माँ गौरा की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ कि सुनु सिय सत्य असीस हमारी। पूजहि मनोकामना तुम्हारी॥ वहीं आराध्य श्री राम चन्द्र जी भी भाई लक्ष्मण के साथ मुनि विश्वामित्र की आज्ञा से पूजा के लिए फूल लेने गये हुये थे वहीं उनका जानकी जी से साक्षात्कार हुआ। पुष्प वाटिका में जब सीताजी ने श्रीराम को देखा तो उन्हें बार-बार देखते हुए उनका मन अधीर होने लगा और प्रेम बढ़ने लगा। और जब फूल लेकर प्रभु श्री राम मुनि विश्वामित्र के पास पहुँचे तो उन्होंने आशीर्वाद दिया कि

सुफल मनोरथ होहि तुम्हारे। राम लखन सुनु भये सुखारे॥ प्रभु श्रीराम और माँ सीता की आत्मीय भेंट का यह व्याख्यान बेहद ही सुंदर और मनोहारी तरीके से श्री बोधराज सीकरी ने सुनाया। श्री बोधराज सीकरी जी ने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ने के लिए गुरुग्राम वासियों का अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यही जन्म भूमि है, यही कर्म भूमि है और यही भूमि मेरे लिए सब कुछ है। पाठ में श्री वी.डी.पाहुजा, श्री सतपाल नासा, श्री किशोरी लाल डुडेजा, श्री युधिष्ठिर अलमादी, श्री राजेन्द्र बजाज, श्री सुखदेव, श्री दर्शन बजाज, महिला प्रकोष्ठ से श्रीमती सुरेश सीकरी, श्रीमती शील सीकरी, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा उपस्थित रहे। कल जैकबपुरा में 80 लोगों ने 11-11 बार पाठ किया। गत शुक्रवार को श्री गोपीनाथ मंदिर, अर्जुन नगर में 9 लोगों ने 21-21बार पाठ किया। गत शनिवार सेक्टर 70, विला 11, ट्यूलिप आइवरी में 6 लोगों ने पहले 11 बार सुंदरकांड पाठ फिर 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया।

इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहां भी 4 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया। इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया। श्री विजय टन्डन और श्री रणधीर टन्डन की फैक्टरी वी.के.रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका श्रीमती ज्योत्सना बजाज ने मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है। उसके अतिरिक्त जूम के माध्यम से लगभग 15 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 200 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 541,411 पाठ 39,396 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 27 स्थानों पर 39,486 साधकों द्वारा 546,161 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

वंदे भारत के समान बनाने की घोषणा सराहनीय : सुधीर सिंगला

जारी रहेगी। तीन नए रेल कॉरिडोर बनाने की घोषणा भी देश में विकास को नये आयाम देगी।

इंफ्रास्ट्रक्चर पर 11 फीसदी से ज्यादा खर्च, रक्षा खर्च 11.1 प्रतिशत बढ़ाना भी बड़ा निर्णय है। यह देश की जीडीपी का 3.4 प्रतिशत होगा। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि आशा बहनों को भी आयुष्मान योजना का लाभ देने की घोषणा से लाखों आशा बहनों में खुशी लेकर आई है। हर महीने 300 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी। विधायक ने यह भी कहा कि सर्वाइकल कैंसर के वैक्सीनेशन पर भी सरकार की ओर से विशेष फोकस लाखों लोगों को राहत देगा। मातृ और शिशु देखरेख की योजनाओं को बढ़ावा मिलेगा। किशोरियों के टीकाकरण पर सरकार अब फोकस करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार अब मध्यम वर्ग के लिए आवास योजना लाएगी। आने वाले 5 साल में 2 करोड़ घर बनाए जाएंगे। अब तक पीएम आवास के तहत 3 करोड़ घर बनाए गए हैं। अब तक देश के 4 करोड़ किसानों को पीएम फसल बीमा योजना का लाभ दिया जा रहा है। मनरेगा के लिए 60 हजार करोड़ से 86 हजार करोड़ का बजट किया गया है। स्किल इंडिया मिशन में 1.4 करोड़ युवाओं को ट्रेंड किया गया है। 3000 नए आईटीआई बनाए गए हैं। 25 करोड़ लोगों की गरीबी दूर की गई है। देश के 11.8 करोड़ किसानों को वित्तीय सहायता दी गई है। गरीब कल्याण योजना में 34 लाख करोड़ खातों में भेजे गए हैं। यह सब सरकार की गरीब, किसान के कल्याण के लिए कार्य किए गए हैं।

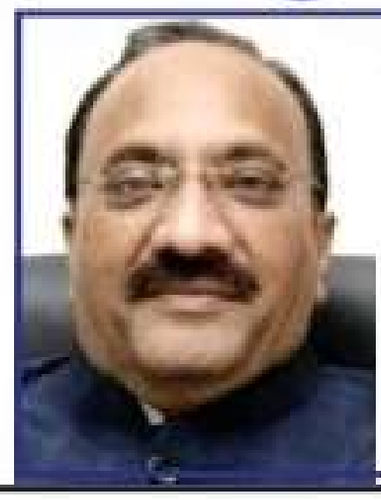

- *लखपति दीदी योजना का विस्तार, आशा बहनों को आयुष्मान का मिलेगा लाभ*
- *वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया अंतरिम बजट*

DBP NEWS डिजिटल
हर खबर पर नज़र
भास्कर पत्रिका न्यूज़
(दिल्ली जयपुर अजमेर डिजिटल संस्करण)

समाज सेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ

अब आंकड़ा 5 लाख 46 हजार के पार हुआ, राम नाम की महिमा अपरंपार है - बोधराज सीकरी

गुड़गांव (प्राण शर्मा) डिजिटल भास्कर पत्रिका न्यूज़। समाज सेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में लगातार चल रहे हनुमान चालीसा पाठ अभियान के अंतर्गत तहत विगत मंगलवार को जैकबपुरा (समीप जैन हैण्डलूम) में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 11बार हनुमान चालीसा का पाठ गजेंद्र गोसाईं ने व्यास पीठ से संगीतमय ढंग से किया। उन्होंने आखिरी पाठ में उन्होंने पूर्व में किये गए पाठों की भाँति मेरी लगी राम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने के कीर्तन के साथ किया। इसके साथ ही सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने खड़े होकर खूब नृत्य किया। इससे पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ। जिसमें कुल 80 साधक शामिल रहे। यहां पर हम अपने पाठकों को बता दें कि श्री कृष्ण कुमार बुद्धिराजा की बेटी की शादी के उपलक्ष्य में जैकबपुरा में इस पाठ का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में बोधराज सीकरी ने राम तत्व की महिमा पर सविस्तार चर्चा की। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि देवी सीता ने मां गौरी का पूजन करके अपना श्री राम के रूप में मनचाहा वर पाया था। माँ जानकी जी ने जब माँ गौरा की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ था कि

सुनु सिय सत्य असीस हमारी। पूजहि मनोकामना तुम्हारी।।

वहीं आराध्य श्री राम चन्द्र जी भी भाई लक्ष्मण के साथ मुनि विश्वामित्र की आज्ञा से पूजा के लिए फूल लेने गये हुये थे। वहीं उनका जानकी जी से साक्षात्कार हुआ। उन्होंने बताया कि पुष्प वाटिका में जब सीताजी ने श्रीराम को देखा तो उन्हें बार-बार देखते हुए उनका मन अधीर होने लगा और प्रेम बढ़ने लगा। जब फूल लेकर प्रभु श्री राम मुनि विश्वामित्र के पास पहुँचे तो उन्होंने आशीर्वाद दिया कि

सुफल मनोरथ होहि तुम्हारे। राम लखन सुनु भये सुखारे।।

प्रभु श्रीराम और माँ सीता की आत्मीय भेंट का यह व्याख्यान बेहद ही सुंदर और मनोहारी तरीके से बोधराज सीकरी ने सुनाया। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ने के लिए गुरुग्राम वसियों का अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यही जन्म भूमि है, यही कर्म भूमि है और यही भूमि मेरे लिए सब कुछ है। पाठ में बी.डी.पाहुजा, सतपाल नासा, किशोरी लाल डुडेजा, युधिष्ठिर अलमादी, राजेन्द्र बजाज, सुखदेव, दर्शन बजाज, महिला प्रकोष्ठ से श्रीमती सुरेश सीकरी, श्रीमती शील सीकरी, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा उपस्थित रहे। कल जैकबपुरा में 80 लोगों ने 11-11 बार पाठ किया। गत शुक्रवार को श्री गोपीनाथ मंदिर, अर्जुन नगर में 90 लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। गत शनिवार सेक्टर 70, विला 11, ट्यूलिप आइवरी में 60 लोगों ने पहले 11 बार सुंदरकांड पाठ फिर 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया। इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया। इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया। विजय टन्डन और रणधीर टन्डन की फैक्टरी वी.के.रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका श्रीमती ज्योत्सना बजाज ने मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है। उसके अतिरिक्त जूम के माध्यम से लगभग 15 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 200 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 541, 411 पाठ 39, 096 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 207 स्थानों पर 39, 486 साधकों द्वारा 546, 161 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

दैनिक
भरोसा मित्र
ना इधर की ना उधर की बात सिर्फ भरोसे की

राम नाम की महिमा है अपरंपार: बोधराज सीकरी

एमके अरोड़ा, भरोसा मित्र

गुरुग्राम। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा शुरु की गई मुहिम के तहत मंगलवार को जैकबपुरा में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें गजेंद्र गोसाई ने11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। उन्होंने मेरी लगी राम संग प्रीत यह दुनिया क्या जाने का गीत शुरु किया था वहां उपस्थित श्रद्धालु भजन पर झूम उठे। इससे पूर्व सुंदर कांड पाठ भी आयोजित किया गया, जिसमें करीब 80 साधक शामिल हुए। अध्यक्ष बोधराज सीकरी ने बताया कि समाजसेवी कृष्ण कुमार बुद्धिराजा की पुत्री के वि वाह के उपलक्ष्य में यह आयोजन किया गया। बोधराज सीकरी ने रामत्व का महत्व बताया कि माता सीता ने मां गौरी का पूजन कर श्री राम के रूप में अपना वर मांगा था। माता सीता ने जब माँ गौरा की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ कि सुनु सिय सत्य असीस हमारी। पूजहि मनोकामना तुम्हारी।। वहीं आराध्य श्री राम चन्द्र जी

भी भाई लक्ष्मण के साथ मुनि विश्वामित्र की आज्ञा से पूजा के लिए फूल लेने गए हुये थे वहीं उनका जानकी जी से साक्षात्कार हुआ। पुष्प वाटिका में जब सीताजी ने श्रीराम को देखा तो उन्हें बार-बार देखते हुए उनका मन अधीर होने लगा और प्रेम बढने लगा। और जब फूल लेकर प्रभु श्री राम मुनि विश्वामित्र के पास पहुँचे तो उन्होंने आशीर्वाद उन्हें अशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि यही जन्म भूमि है, यही कर्म भूमि है और यही भूमि मेरे लिए सब कुछ है। कार्यक्रम में बीडी पाहूजा, सतपाल नासा, किशोरी लाल डुडेजा, युधिष्ठिर अलमादी, राजेन्द्र बजाज, सुखदेव, दर्शन बजाज, महिला प्रकोष्ठ से सुरेश सीकरी, शील सीकरी,ज्योत्सना बजाज, पुष्पा नासा मौजूद रही। बोधराज सीकरी ने बताया कि जैकबपुरा में 80 लोगों ने 11-11 , अर्जुन नगर स्थित श्री गोपीनाथ मंदिर में 90 लोगों ने 21-21 सेक्टर 70 ट्यूलिप आइवरी में 60 लोगों ने पहले 11 बार सुंदरकांड पाठ फिर 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया। जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में 40 विद्यार्थियों ने 21-21, जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5, वीके रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 तथा ज्योत्सना बजाज की अगुवाई में जूम ऐप पर 15 महिलाओं ने 11-11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। इससे पहले 200 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 541,411 पाठ 39,096 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 207 स्थानों पर 39,486 साधकों द्वारा 546,161 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

Postal No. : P/BWN/47/2023-2025
E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com
www.haryanakiaawaz.in

सबसे तेज... सबसे आगे

हरियाणा की आवाज

भिवानी, चंडीगढ़, हिसार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनि

वर्ष : 15 अंक : 231 | भिवानी, शुक्रवार 02 फरवरी 2024 | मूल्य : 3.00 रूपये | कुल पृष्ठ : 8

हनुमान चालीसा पाठ का आंकड़ा 5 लाख 46 हजार के पार

समाजसेवी बोधराज सीकरी की ओर से किया जा रहा आयोजन

गुरुग्राम(राकेश)। समाजसेवी बोधराज सीकरी की मुहिम हनुमान चालीसा पाठ के तहत जैकबपुरा में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें 80 साधकों को 11-11 बार हनुमान चालीसा का पाठ गजेंद्र गोसाईं ने व्यास पीठ से संगीतमय ढंग से किया। आखिरी पाठ में उन्होंने पूर्व में किये गए पाठों की भांति मेरी लगी राम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने के कीर्तन के साथ किया। इससे पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ। जूम के माध्यम से लगभग 15 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 200 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 541,411 पाठ 39,096 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 207 स्थानों पर 39,486 साधकों द्वारा 546,161 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। श्रीकृष्ण कुमार बुद्धिराजा की बेटी की शादी के उपलक्ष्य में जैकबपुरा में इस पाठ का आयोजन किया गया था। इस दौरान बोधराज सीकरी ने राम तत्व की महिमा पर सविस्तार चर्चा की। उन्होंने कहा कि कहा कि देवी सीता ने मां गौरी का पूजन करके अपना श्री राम के रूप में मनचाहा वर पाया था। मां जानकी जी ने जब माँ गौरा की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ कि सुनु सिय सत्य असीस हमारी। पूजहि मनोकामना तुम्हारी।। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ने के लिए गुरुग्राम वसियों का अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यही जन्म भूमि है, यही कर्म भूमि है और यही भूमि मेरे लिए सब कुछ है। पाठ में बीडी पाहुजा, सतपाल नासा, किशोरी लाल डुडेजा, युधिष्ठिर अलमादी, राजेंद्र बजाज, सुखदेव, दर्शन बजाज, महिला प्रकोष्ठ से सुरेश सीकरी, [illegible] बजाज, पुष्पा आदि उपस्थित रहे।

बुलंद खोज

सम्पादक-संजय सात्वंक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

हनुमान चालीसा पाठ का आंकड़ा पहुंचा 5 लाख 46 हजार के पार

राम नाम की महिमा है अपरंपार - बोधराज सीकरी

कार्यक्रम को संबोधित करते बोधराज सीकरी व उपस्थित जन।

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा शुरु की गई मुहिम के तहत मंगलवार को जैकबपुरा में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें गजेंद्र गोसाई ने11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। उन्होंने मेरी लगी राम संग प्रीत यह दुनिया क्या जाने का गीत शुरु किया था वहां उपस्थित श्रद्धालु भजन पर झूम उठे। इससे पूर्व सुंदर कांड पाठ भी आयोजित किया गया, जिसमें करीब 80 साधक शामिल हुए। अध्यक्ष बोधराज सीकरी ने बताया कि समाजसेवी कृष्ण कुमार बुद्धिराजा की पुत्री के वि वाह के उपलक्ष्य में यह आयोजन किया गया। बोधराज सीकरी ने रामत्व का महत्व बताया कि माता सीता ने मां गौरी का पूजन कर श्री राम के रूप में अपना वर मांगा था। माता सीता ने जब माँ गौरा की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ कि सुनु सिय सत्य असीस हमारी। पूजहि मनोकामना तुम्हारी।। वहीं आराध्य श्री राम चन्द्र जी भी भाई लक्ष्मण के साथ मुनि विश्वामित्र की आज्ञा से पूजा के लिए फूल लेने गए हुये थे वहीं उनका जानकी जी से साक्षात्कार हुआ। पुष्प वाटिका में जब सीताजी ने श्रीराम को देखा तो उन्हें बार-बार देखते हुए उनका मन अधीर होने लगा और प्रेम बढने लगा। और जब फूल लेकर प्रभु श्री राम मुनि विश्वामित्र के पास पहुँचे तो उन्होंने आशीर्वाद उन्हें अशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि यही जन्म भूमि है, यही कर्म भूमि है और यही भूमि मेरे लिए सब कुछ है। कार्यक्रम में बीडी पाहूजा, सतपाल नासा, किशोरी लाल डुडेजा, युधिष्ठिर अलमादी, राजेन्द्र बजाज, सुखदेव, दर्शन बजाज, महिला प्रकोष्ठ से सुरेश सीकरी, शील सीकरी,ज्योत्सना बजाज, पुष्पा नासा मौजूद रही। बोधराज सीकरी ने बताया कि जैकबपुरा में 80 लोगों ने 11-11 , अर्जुन नगर स्थित श्री गोपीनाथ मंदिर में 90 लोगों ने 21-21 सेक्टर 70 ट्यूलिप आइवरी में 60 लोगों ने पहले 11 बार सुंदरकांड पाठ फिर 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया। जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में 40 विद्यार्थियों ने 21-21, जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5, वीके रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 तथा ज्योत्सना बजाज की अगुवाई में जूम ऐप पर 15 महिलाओं ने 11-11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। इससे पहले 200 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 541,411 पाठ 39,096 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 207 स्थानों पर 39,486 साधकों द्वारा 546,161 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ओपन सर्च

TITLE CODE :- HARHIN11545

राम नाम की महिमा अपरंपार है : बोधराज

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम सतत गतिशील, पार हुआ 5 लाख 46 हजार का आंकड़ा

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। बोधराज सीकरी की मुहिम हनुमान चालीसा पाठ के तहत कल 30 जनवरी, मंगलवार को जैकबपुरा (समीप जैन हैण्डलूम) में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें 11बार हनुमान चालीसा का पाठ श्री गजेंद्र गोसाईं जी ने व्यास पीठ से संगीतमय ढंग से किया व आखिरी पाठ में उन्होंने पूर्व में किये गए पाठों की भाँति "मेरी लगी राम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने" के कीर्तन के साथ किया तो सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने खड़े होकर खूब नृत्य किया। इससे पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ। जिसमें कुल 80 साधक शामिल रहे। बता दें कि श्री कृष्ण कुमार बुद्धिराजा की बेटी की शादी के उपलक्ष्य में जैकबपुरा में इस पाठ का आयोजन किया गया था, जिसमें बोधराज सीकरी ने राम तत्व की महिमा पर सविस्तार चर्चा की। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि देवी सीता ने मां गौरी का पूजन करके अपना श्री राम के रूप में मनचाहा वर पाया था। माँ जानकी जी ने जब माँ गौरा की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ कि "सुनु सिय सत्य असीस हमारी। पूजहि मनोकामना तुम्हारी।। वहीं आराध्य श्री राम चन्द्र जी भी भाई लक्ष्मण के साथ मुनि विश्वामित्र की आज्ञा से पूजा के लिए फूल लेने गये हुये थे वहीं उनका जानकी जी से साक्षात्कार हुआ। पुष्प वाटिका में जब सीताजी ने श्रीराम को देखा तो उन्हें बार-बार देखते हुए उनका मन अधीर होने लगा और प्रेम बढ़ने लगा। और जब फूल लेकर प्रभु श्री राम मुनि विश्वामित्र के पास पहुँचे तो उन्होंने आशीर्वाद दिया कि "सुफल मनोरथ होहि तुम्हारे। राम लखन सुनु भये सुखारे।। प्रभु श्रीराम और माँ सीता को आत्मीय भेंट का यह व्याख्यान बेहद ही सुंदर और मनोहारी तरीके से श्री बोधराज सीकरी ने सुनाया। श्री बोधराज सीकरी जी ने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ने के लिए गुरुग्राम वासियों का अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यही जन्म भूमि है, यही कर्म भूमि है और यही भूमि मेरे लिए सब कुछ है। पाठ में श्री बी.डी.पाहुजा, श्री सतपाल नासा, श्री किशोरी लाल डुडेजा, श्री युधिष्ठिर अलमादी, श्री राजेन्द्र बजाज, श्री सुखदेव, श्री दर्शन बजाज, महिला प्रकोष्ठ से श्रीमती सुरेश सीकरी, श्रीमती शील सीकरी, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा उपस्थित रहे। कल जैकबपुरा में 80 लोगों ने 11-11 बार पाठ किया। गत शुक्रवार को श्री गोपीनाथ मंदिर, अर्जुन नगर में 90 लोगों ने 21-21बार पाठ किया। गत शनिवार सेक्टर 70, विला 11, ट्यूलिप आइवरी में 60 लोगों ने पहले 11 बार सुंदरकांड पाठ फिर 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया। इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया। इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया। श्री विजय टन्डन और श्री रणधीर टन्डन की फैक्टरी वी.के.रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका श्रीमती ज्योत्सना बजाज ने मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है। उसके अतिरिक्त जूम के माध्यम से लगभग 15 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 200 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 541,411 पाठ 39,096 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 207 स्थानों पर 39,486 साधकों द्वारा 546,161 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

ज्योति दर्पण

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम सतत गतिशील, पार हुआ 5 लाख 46 हजार का आंकड़ा

राम नाम की महिमा अपरंपार है-बोधराज सीकरी

ज्योति दर्पण संवाददाता

गुरुग्राम। बोधराज सीकरी की मुहिम हनुमान चालीसा पाठ के तहत कल 30 जनवरी, मंगलवार को जैकबपुरा (मनीष जैन हैण्डलूम) में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ श्री नरेंद्र गोस्वामी जी ने व्यास पीठ से संगीतमय ढंग से किया व आखिरी पाठ में उन्होंने पूर्व में किये गए पाठों की भाँति -मेरी लगी राम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने- के कीर्तन के साथ किया तो सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने खड़े होकर खूब नृत्य किया। इससे पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ। जिसमें कुल 40 साधक शामिल रहे।

बता दें कि श्री कृष्ण कुमार खुराना की बेटी की शादी के उपलक्ष में जैकबपुरा में इस पाठ का आयोजन किया गया था, जिसमें बोधराज सीकरी ने राम तत्व की महिमा पर सविस्तार चर्चा की। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि देवी सीता ने माँ गौरी का पूजन करके अपना श्री राम के रूप में मनचाहा वर पाया था। माँ जानकी जी ने जब माँ गौरी की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ कि

सुनु सिय सत्य असीस

राष्ट्रीय दैनिक ई-पेपर

भारत सारथी

राम नाम की महिमा अपरंपार है : बोधराज सीकरी

भारत सारथी

गुरुग्राम। बोधराज सीकरी की मुहिम हनुमान चालीसा पाठ के तहत कल 30 जनवरी, मंगलवार को जैकबपुरा (समीप जैन हैण्डलूम) में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें 11बार हनुमान चालीसा का पाठ गजेंद्र गोसाईं ने व्यास पीठ से संगीतमय ढंग से किया व आखिरी पाठ में उन्होंने पूर्व में किये गए पाठों की भाँति मेरी लगी राम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने के कीर्तन के साथ किया तो सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने खड़े होकर खूब नृत्य किया। इससे पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ। जिसमें कुल 80 साधक शामिल रहे। बता दें कि कृष्ण कुमार बुद्धिराजा की बेटी की शादी के उपलक्ष्य में जैकबपुरा में इस पाठ का आयोजन किया गया था, जिसमें बोधराज सीकरी ने राम तत्व की महिमा पर सविस्तार चर्चा की। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि देवी सीता ने मां गौरी का पूजन करके अपना श्री राम के रूप में मनचाहा वर पाया था। माँ जानकी जी ने जब माँ गौरा की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ कि सुनु सिय सत्य असीस हमारी। पूजहि मनोकामना तुम्हारी।।

वहीं आराध्य श्रीराम चन्द्र जी भी भाई लक्ष्मण के साथ मुनि विश्वामित्र की आज्ञा से पूजा के लिए फूल लेने गये हुये थे वहीं उनका जानकी जी से

साक्षात्कार हुआ। पुष्प वाटिका में जब सीताजी ने श्रीराम को देखा तो उन्हें बार-बार देखते हुए उनका मन अधीर होने लगा और प्रेम बढ़ने लगा। और जब फूल लेकर प्रभु श्री राम मुनि विश्वामित्र के पास पहुँचे तो उन्होंने आशीर्वाद दिया कि सुफल मनोरथ होहि तुम्हारे। राम लखन सुनु भये सुखारे।। प्रभु श्रीराम और माँ सीता को आत्मीय भेंट का यह व्याख्यान बेहद ही सुंदर और मनोहारी तरीके से बोधराज सीकरी ने सुनाया। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ने के लिए गुरुग्राम वसियों का अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यही जन्म भूमि है, यही कर्म भूमि है और यही भूमि मेरे लिए सब कुछ है। पाठ में बी.डी.पाहुजा, सतपाल नासा, किशोरीलाल डुडेजा, युधिष्ठिर अलमादी, राजेन्द्र बजाज, सुखदेव, दर्शन बजाज, महिला प्रकोष्ठ से श्रीमती सुरेश सोकरी, श्रीमती शील सोकरी, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा उपस्थित रहे।

कल जैकबपुरा में 80 लोगों ने 11-11 बार पाठ किया। गत शुक्रवार को श्री गोपीनाथ मंदिर, अर्जुन नगर में 90 लोगों ने 21-21बार पाठ किया। गत शनिवार सेक्टर 70, विला 11, ट्यूलिप आइवरी में 60 लोगों ने पहले 11 बार सुंदरकांड पाठ फिर 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया। इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया। इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया। विजय टन्डन और श्री रणधीर टन्डन की फैक्टरी थी.के.रथ प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका श्रीमती ज्योत्सना बजाज ने मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है। उसके अतिरिक्त जूम के माध्यम से लगभग 15 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 700 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 541,411 पाठ 39,096 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 207 स्थानों पर 39,486 साधकों द्वारा 546,161 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

नये भारत का अखबार

गुड़गांव मेल

DAVP, Northern Rly., DIPR Haryana के विज्ञापनों के लिए अधिकृत हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

राम नाम की महिमा अपरंपार है : बोधराज सीकरी

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 1 फरवरी। बोधराज सीकरी की मुहिम हनुमान चालीसा पाठ के तहत कल 30 जनवरी, मंगलवार को जैकबपुरा (समीप जैन हैप्पीहुप) में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें 11बार हनुमान चालीसा का पाठ श्री नरेंद्र गोसाईं जी ने व्यास पीठ से संगीतमय ढंग से किया व आखिरी पाठ में उन्होंने पूर्व में किये गए पाठों की भाँति मेरी लगी राम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने के कीर्तन के साथ किया तो सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने खड़े होकर खूब नृत्य किया। इससे पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ। जिसमें कुल 80 साधक शामिल रहे।

बता दें कि श्री कृष्ण कुमार बुद्धिराजा की बेटी की शादी के उपलक्ष्य में जैकबपुरा में इस पाठ का आयोजन किया गया था, जिसमें बोधराज सीकरी ने राम नाम की महिमा पर विस्तार चर्चा की। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि देवी सीता ने माँ गौरी का पूजन करके अपना श्री राम के रूप में मनचाहा वर पाया था। माँ जानकी जी ने जब माँ गौरा की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ कि

सुनु सिय सत्य असीस हमारी।
पूजहि मनोकामना तुम्हारी।।

यहाँ आराध्य श्री राम चन्द्र जी भी भाई लक्ष्मण के साथ मुनि विश्वामित्र की आज्ञा से पूजा के लिए फूल लेने गये हुये थे वहाँ उनका जानकी जी से साक्षात्कार हुआ। पुष्प वाटिका में जब सीताजी ने श्रीराम को देखा तो उन्हें बार-बार देखते हुए उनका मन अधीर होने लगा और प्रेम बढ़ने लगा। और जब फूल लेकर प्रभु श्री राम मुनि विश्वामित्र के पास पहुँचे तो उन्होंने आशीर्वाद दिया कि

सुफल मनोरथ होहिं तुम्हारे।
राम लखन सुनु भये सुखारे।।

प्रभु श्रीराम और माँ सीता को आशीष भेंट का यह व्याख्यान बेहद ही सुंदर और मनोहारी तरीके से श्री बोधराज सीकरी ने सुनाया।

बोधराज सीकरी जी ने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ने के लिए गुलशन बत्रियों का

अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यही जन्म भूमि है, यही कर्म भूमि है और यही भूमि मेरे लिए सब कुछ है।

पाठ में श्री बी.डी.पाहूजा, श्री सतपाल नासा, श्री किशोरी लाल हुड़ेजा, श्री युधिष्ठिर अलमादी, श्री राजेन्द्र बजाज, श्री सुखदेव, श्री दर्शन बजाज, महिला प्रकोष्ठ से श्रीमती सुरेश सीकरी, श्रीमती शील सीकरी, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा उपस्थित रहे।

कल जैकबपुरा में 80 लोगों ने 11-11 बार पाठ किया।

गत शुक्रवार को श्री गोपीनाथ मंदिर, अर्जुन नगर में 80 लोगों ने 21-21बार पाठ किया।

गत शनिवार सेक्टर 20, विला 11, ट्यूलिप आइवरी में 60 लोगों ने पहले 11 बार सुंदरकांड पाठ फिर 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया।

इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में भी हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया।

इसी प्रकार जानपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया।

श्री विजय टन्डन और श्री रणधीर टन्डन की फैक्टरी बी.के.एम प्लांट के 70 कार्यकर्ताओं ने 2-2 बार पाठ किया।

इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका श्रीमती ज्योत्सना बजाज ने मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है। उसके अतिरिक्त ग्रुप के माध्यम से लगभग 15 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया।

इससे पहले 200 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 541,411 पाठ 39,086 साधकों ने किए थे।

इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 207 स्थानों पर 39,486 साधकों द्वारा 546,161 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

राम नाम की महिमा अपरंपार है : बोधराज सीकरी

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। बोधराज सीकरी की मुहिम हनुमान चालीसा पाठ के तहत कल 30 जनवरी, मंगलवार को जैकबपुरा (समीप जैन हैण्डलूम) में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें 11बार हनुमान चालीसा का पाठ गजेंद्र गोसाईं ने व्यास पीठ से संगीतमय ढंग से किया व आखिरी पाठ में उन्होंने पूर्व में किये गए पाठों की भाँति मेरी लगी राम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने के कीर्तन के साथ किया तो सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने खड़े होकर खूब नृत्य किया। इससे पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ। जिसमें कुल 80 साधक शामिल रहे। बता दें कि कृष्ण कुमार बुद्धिराजा की बेटी की शादी के उपलक्ष्य में जैकबपुरा में इस पाठ का आयोजन किया गया था, जिसमें बोधराज सीकरी ने राम तत्व की महिमा पर सविस्तार चर्चा की। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि देवी सीता ने मां गौरी का पूजन करके अपना श्री राम के रूप में मनचाहा वर पाया था। माँ जानकी जी ने जब माँ गौरा की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ कि सुनु सिय सत्य असीस हमारी। पूजहि मनोकामना तुम्हारी।।

वहीं आराध्य श्रीराम चन्द्र जी भी भाई लक्ष्मण के साथ मुनि विश्वामित्र की आज्ञा से पूजा के लिए फूल लेने गये हुये थे वहीं उनका जानकी जी से

साक्षात्कार हुआ। पुष्प वाटिका में जब सीताजी ने श्रीराम को देखा तो उन्हें बार-बार देखते हुए उनका मन अधीर होने लगा और प्रेम बढ़ने लगा। और जब फूल लेकर प्रभु श्री राम मुनि विश्वामित्र के पास पहुँचे तो उन्होंने आशीर्वाद दिया कि सुफल मनोरथ होहि तुम्हारे। राम लखन सुनु भये सुखारे।। प्रभु श्रीराम और माँ सीता की आत्मीय भेंट का यह व्याख्यान बेहद ही सुंदर और मनोहारी तरीके से बोधराज सीकरी ने सुनाया। बोधराज सीकरी जी ने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ने के लिए गुरुग्राम वसियों का अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यही जन्म भूमि है, यही कर्म भूमि है और यही भूमि मेरे लिए सब कुछ है। पाठ में बी.डी.पाहुजा, सतपाल नासा, किशोरीलाल डुडेजा, युधिष्ठिर अलमादी, राजेन्द्र बजाज, सुखदेव, दर्शन बजाज, महिला प्रकोष्ठ से श्रीमती सुरेश सीकरी, श्रीमती शील सीकरी, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा उपस्थित रहे।

कल जैकबपुरा में 80 लोगों ने 11-11 बार पाठ किया। गत शुक्रवार को श्री गोपीनाथ मंदिर, अर्जुन नगर में 90 लोगों ने 21-21बार पाठ किया। गत शनिवार सेक्टर 70, विला 11, ट्यूलिप आइवरी में 60 लोगों ने पहले 11 बार सुंदरकांड पाठ फिर 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया। इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया। इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया। विजय टन्डन और श्री रणधीर टन्डन की फैक्टरी वी.के.रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका श्रीमती ज्योत्सना बजाज ने मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है। उसके अतिरिक्त जूम के माध्यम से लगभग 15 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 200 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 541,411 पाठ 39,096 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 207 स्थानों पर 39,486 साधकों द्वारा 546,161 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

Bharat Sarathi
A Complete News Website

गुरुग्राम। बोधराज सीकरी की मुहिम हनुमान चालीसा पाठ के तहत कल 30 जनवरी, मंगलवार को जैकबपुरा (समीप जैन हैण्डलूम) में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें 11बार हनुमान चालीसा का पाठ श्री गजेंद्र गोसाईं जी ने व्यास पीठ से संगीतमय ढंग से किया व आखिरी पाठ में उन्होंने पूर्व में किये गए पाठों की भाँति "मेरी लगी राम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने" के कीर्तन के साथ किया तो सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने खड़े होकर खूब नृत्य किया। इससे पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ। जिसमें कुल 80 साधक शामिल रहे।

बता दें कि श्री कृष्ण कुमार बुद्धिराजा की बेटी की शादी के उपलक्ष्य में जैकबपुरा में इस पाठ का आयोजन किया गया था, जिसमें बोधराज सीकरी ने राम तत्व की महिमा पर सविस्तार चर्चा की। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि देवी सीता ने मां गौरी का पूजन करके अपना श्री राम के रूप में मनचाहा वर पाया था। माँ जानकी जी ने जब माँ गौरा की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ कि

"सुनु सिय सत्य असीस हमारी।
पूजहि मनोकामना तुम्हारी।।

वहीं आराध्य श्री राम चन्द्र जी भी भाई लक्ष्मण के साथ मुनि विश्वामित्र की आज्ञा से पूजा के लिए फूल लेने गये हुये थे वहीं उनका जानकी जी से साक्षात्कार हुआ। पुष्प वाटिका में जब सीताजी ने श्रीराम को देखा तो उन्हें बार-बार देखते हुए उनका मन अधीर होने लगा और प्रेम बढ़ने लगा। और जब फूल लेकर प्रभु श्री राम मुनि विश्वामित्र के पास पहुँचे तो उन्होंने आशीर्वाद दिया कि

"सुफल मनोरथ होहि तुम्हारे।
राम लखन सुनु भये सुखारे।।

प्रभु श्रीराम और माँ सीता की आत्मीय भेंट का यह व्याख्यान बेहद ही सुंदर और मनोहारी तरीके से श्री बोधराज सीकरी ने सुनाया।

श्री बोधराज सीकरी जी ने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ने के लिए गुरुग्राम वसियों का अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यही जन्म भूमि है, यही कर्म भूमि है और यही भूमि मेरे लिए सब कुछ है।

पाठ में श्री बी.डी.पाहुजा, श्री सतपाल नासा, श्री किशोरी लाल डुडेजा, श्री युधिष्ठिर अलमादी, श्री राजेन्द्र बजाज, श्री सुखदेव, श्री दर्शन बजाज, महिला प्रकोष्ठ से श्रीमती सुरेश सीकरी, श्रीमती शील सीकरी, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा उपस्थित रहे।

गुरुग्राम। Bodhraj Sikri की मुहिम हनुमान चालीसा पाठ के तहत कल 30 जनवरी, मंगलवार को जैकबपुरा (समीप जैन हैण्डलूम) में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया।

जिसमें 11बार हनुमान चालीसा का पाठ श्री गजेंद्र गोसाईं जी ने व्यास पीठ से संगीतमय ढंग से किया व आखिरी पाठ में उन्होंने पूर्व में किये गए पाठों की भाँति "मेरी लगी राम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने" के कीर्तन के साथ किया तो सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने खड़े होकर खूब नृत्य किया। इससे पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ। जिसमें कुल 80 साधक शामिल रहे।

बता दें कि श्री कृष्ण कुमार बुद्धिराजा की बेटी की शादी के उपलक्ष्य में जैकबपुरा में इस पाठ का आयोजन किया गया था, जिसमें बोधराज सीकरी ने राम तत्व की महिमा पर सविस्तार चर्चा की।

उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि देवी सीता ने मां गौरी का पूजन करके अपना श्री राम के रूप में मनचाहा वर पाया था। माँ जानकी जी ने जब माँ गौरा की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ कि
"सुनु सिय सत्य असीस हमारी।
पूजहि मनोकामना तुम्हारी।।

वहीं आराध्य श्री राम चन्द्र जी भी भाई लक्ष्मण के साथ मुनि विश्वामित्र की आज्ञा से पूजा के लिए फूल लेने गये हुये थे वहीं उनका जानकी जी से साक्षात्कार हुआ। पुष्प वाटिका में जब सीताजी ने श्रीराम को देखा तो उन्हें बार-बार देखते हुए उनका मन अधीर होने लगा और प्रेम बढ़ने लगा। और जब फूल लेकर प्रभु श्री राम मुनि विश्वामित्र के पास पहुँचे तो उन्होंने आशीर्वाद दिया कि
"सुफल मनोरथ होहि तुम्हारे।
राम लखन सुनु भये सुखारे।।

प्रभु श्रीराम और माँ सीता की आत्मीय भेंट का यह व्याख्यान बेहद ही सुंदर और मनोहारी तरीके से श्री बोधराज सीकरी ने सुनाया।

श्री बोधराज सीकरी जी ने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ने के लिए गुरुग्राम वसियों का अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यही जन्म भूमि है, यही कर्म भूमि है और यही भूमि मेरे लिए सब कुछ है।

पाठ में श्री बी.डी.पाहुजा, श्री सतपाल नासा, श्री किशोरी लाल डुडेजा, श्री युधिष्ठिर अलमादी, श्री राजेन्द्र बजाज, श्री सुखदेव, श्री दर्शन बजाज, महिला प्रकोष्ठ से श्रीमती सुरेश सीकरी, श्रीमती शील सीकरी, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा उपस्थित रहे।

AJEY BHARAT
Desh...Aap Tak
WWW.AJEYBHARAT.COM

गुरुग्राम। बोधराज सीकरी की मुहिम हनुमान चालीसा पाठ के तहत कल 30 जनवरी, मंगलवार को जैकबपुरा (समीप जैन हैण्डलूम) में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें 11बार हनुमान चालीसा का पाठ श्री गजेंद्र गोसाईं जी ने व्यास पीठ से संगीतमय ढंग से किया व आखिरी पाठ में उन्होंने पूर्व में किये गए पाठों की भाँति "मेरी लगी राम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने" के कीर्तन के साथ किया तो सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने खड़े होकर खूब नृत्य किया। इससे पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ। जिसमें कुल 80 साधक शामिल रहे।

बता दें कि श्री कृष्ण कुमार बुद्धिराजा की बेटी की शादी के उपलक्ष्य में जैकबपुरा में इस पाठ का आयोजन किया गया था, जिसमें बोधराज सीकरी ने राम तत्व की महिमा पर सविस्तार चर्चा की। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि देवी सीता ने मां गौरी का पूजन करके अपना श्री राम के रूप में मनचाहा वर पाया था। माँ जानकी जी ने जब माँ गौरा की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ कि

"सुनु सिय सत्य असीस हमारी।

पूजहि मनोकामना तुम्हारी।।

वहीं आराध्य श्री राम चन्द्र जी भी भाई लक्ष्मण के साथ मुनि विश्वामित्र की आज्ञा से पूजा के लिए फूल लेने गये हुये थे वहीं उनका जानकी जी से साक्षात्कार हुआ। पुष्प वाटिका में जब सीताजी ने श्रीराम को देखा तो उन्हें बार-बार देखते हुए उनका मन अधीर होने लगा और प्रेम बढ़ने लगा। और जब फूल लेकर प्रभु श्री राम मुनि विश्वामित्र के पास पहुँचे तो उन्होंने आशीर्वाद दिया कि

"सुफल मनोरथ होहि तुम्हारे।

राम लखन सुनु भये सुखारे।।

प्रभु श्रीराम और माँ सीता की आत्मीय भेंट का यह व्याख्यान बेहद ही सुंदर और मनोहारी तरीके से श्री बोधराज सीकरी ने सुनाया।

श्री बोधराज सीकरी जी ने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ने के लिए गुरुग्राम वसियों का अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यही जन्म भूमि है, यही कर्म भूमि है और यही भूमि मेरे लिए सब कुछ है।

गुरुग्राम । बोधराज सीकरी की मुहिम हनुमान चालीसा पाठ के तहत कल 30 जनवरी, मंगलवार को जैकबपुरा (समीप जैन हैण्डलूम) में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ श्री गजेंद्र गोसाईं जी ने व्यास पीठ से संगीतमय ढंग से किया व आखिरी पाठ में उन्होंने पूर्व में किए गए पाठों की भांति "मेरी लगी राम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने" के कीर्तन के साथ किया। इससे पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ। जिसमें कुल 80 साधक शामिल रहे। वहीं उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने खड़े होकर राम भक्ति में झूमते हुए नृत्य किया।

भक्तों को सुनाई राम तत्व की महिमा

बता दें कि श्री कृष्ण कुमार बुद्धिराजा की बेटी की शादी के उपलक्ष्य में जैकबपुरा में इस पाठ का आयोजन किया गया था, जिसमें बोधराज सीकरी ने राम तत्व की महिमा पर सविस्तार चर्चा की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि देवी सीता ने मां गौरी का पूजन करके अपना श्री राम के रूप में मनचाहा वर पाया था। मां जानकी जी ने जब मां गौरा की पूजा की तो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

सुनु सिय सत्य असीस हमारी।
पूजिहि मन कामना तुम्हारी॥
नारद बचन सदा सुचि साचा।
सो बरु मिलिहि जाहिं मनु राचा॥

भावार्थ- हे सीता! हमारी सच्ची आसीस सुनो, तुम्हारी मनःकामना पूरी होगी। नारद का वचन सदा पवित्र (संशय, भ्रम आदि दोषों से रहित) और सत्य है। जिसमें तुम्हारा मन अनुरक्त हो गया है, वही वर तुमको मिलेगा।

सुंदर और मनोहारी व्याख्यान- बोधराज सीकरी

वहीं आराध्य श्री राम चन्द्र जी भी भाई लक्ष्मण के साथ मुनि विश्वामित्र की आज्ञा से पूजा के लिए फूल लेने गए हुए थे वहीं उनका जानकी जी से साक्षात्कार हुआ। पुष्प वाटिका में जब सीताजी ने श्रीराम को देखा तो उन्हें बार-बार देखते हुए उनका मन अधीर होने लगा और प्रेम बढ़ने लगा, जब फूल लेकर प्रभु श्री राम मुनि विश्वामित्र के पास पहुंचे तो उन्होंने आशीर्वाद दिया कि- "सुफल मनोरथ होहि तुम्हारे। राम लखन सुनु भये सुखारे। प्रभु श्रीराम और मां सीता की आत्मीय भेंट का यह व्याख्यान बेहद ही सुंदर और मनोहारी तरीके से श्री बोधराज सीकरी ने सुनाया।

गुरुग्राम वासियों का किया अभिनंदन

बोधराज सीकरी जी ने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ने के लिए गुरुग्राम वसियों का अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यही जन्म भूमि है, यही कर्म भूमि है और यही भूमि मेरे लिए सब कुछ है। पाठ में श्री बी.डी.पाहुजा, श्री सतपाल नासा, श्री किशोरी लाल डुडेजा, श्री युधिष्ठिर अलमादी, श्री राजेन्द्र बजाज, श्री सुखदेव, श्री दर्शन बजाज, महिला प्रकोष्ठ से श्रीमती सुरेश सीकरी, श्रीमती शील सीकरी, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा उपस्थित रहे।